

Roll No.

MAMV-202

गायन-रागों और तालों का अध्ययन-II

एम. ए. संगीत गायन (एम. ए. एम. वी.-11/12)

Second Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

Note : This paper is of **eighty (80)** marks containing **three (3)** sections. Learners are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का चयन करना है।

Section-A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section ‘A’ contains four (04) long answer type questions of nineteen (19) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड ‘क’ में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं।

शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write the notation of vilambit khyal in raag Miya malhar or raag Darbari kanhada with two alaps and two taans.

राग मियां मल्हार या दरबारी कान्हाड़ में विलंबित ख्याल की स्वरलिपि, दो तान और दो आलाप सहित लिखिए।

2. Explain Prabhandh Gyan in detail.

प्रबंध गायन को विस्तार से समझाइए।

3. Write the life sketch and musical contribution of Pt. Jasraj and Achrya Brahaspati.

पं. जसराज तथा आचार्य बृहस्पति का जीवन परिचय तथा सांगीतिक योदान के विषय में लिखिए।

4. Write the notation of Dhrupad or Dhamar in any one raag of you syllabus with the layakari of tigun and chaugun.

अपने पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार की स्वरलिपि तिगुन तथा चौगुन की लयकारी सहित लिखिए।

Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section ‘B’ contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer four (04) questions only. Answer of these questions must be restricted to two hundred fifty (250) words approximately.

नोट : खण्ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दो सौ पचास (250) शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

1. What do you know about Gati gayan ?

गति गायन से आप क्या समझते हैं ?

2. Differentiate between Gujri todi and Bilaskhani todi.

गुजरी तोड़ी तथा बिलासखानी तोड़ी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. Write the theka of Deepchandi Tal with the layakari of Aad.

दीपचंदी ताल का ठेका आड़ की लयकारी सहित लिखिए।

4. Write the short introduction of raag Poorya Dhanashree with aroh, avroh and pakar

राग पूरिया धनाश्री का संक्षिप्त परिचय आरोह, अवरोह व पकड़ सहित लिखिए।

5. Write the notation of any *one* drut khyal in raag Megh malhar.

राग मेघ मल्हार के किसी एक छोटे ख्याल की स्वरलिपि लिखिए।

6. Write about the Sangeet Ratnakar granth in short.

संगीत रत्नाकर ग्रंथ के विषय में संक्षेप में लिखिए।

7. Express your views on the topic ‘The importance of practice in classical music’.
 ‘शास्त्रीय संगीत में अभ्यास का महत्व’ विषय पर अपने विचार लिखिए।
8. Write about the musical contribution of Kishori Amolkar.
 किशोरी अमोलकर के सांगीतिक योगदान के विषय में लिखिए।

Section-C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section ‘C’ contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory.

नोट : खण्ड ‘ग’ में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Write True/False :

सत्य / असत्य लिखिए :

- Both Gandhar and both Nishad are used in raag Megh Malhar. (True/False)
 राग मेघ मल्हार में दोनों गांधार तथा दोनों निषाद प्रयुक्त होते हैं। (सत्य / असत्य)
- Pt. Jasraj belongs to Kirana gharana. (True/False)
 पं. जसराज किराना घराने से सम्बन्धित है। (सत्य / असत्य)
- Raag Bilaskhani todi originated from Bhairavi thaat. (True/False)
 राग बिलासखानी तोड़ी भैरवी थाट से उत्पन्न माना जाता है। (सत्य / असत्य)

4. There are fourteen matras in Deepchandi taal.
 (True/False)
 दीपचंदी ताल में 14 मात्राएँ होती हैं। (सत्य / असत्य)
5. Sangeet Parijat is written by Pt. Ahobal. (True/False)
 संगीत परिजात पं. अहोबल द्वारा लिखी गई है। (सत्य / असत्य)

Fill in the blanks :

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. Jhoomra taal has beats and vibhags.
 झूमरा ताल में मात्राएँ तथा विभाग होते हैं।
7. Author of ‘Natyashastra’ epic is
 ‘नाट्यशास्त्र’ ग्रंथ के लेखक हैं।
8. There are matras in Pancham sawari taal.
 पंचम सवारी ताल में मात्राएँ होती हैं।
9. 5/4 layakari is called layakari.
 5/4 लयकारी की लयकारी कहलाती है।
10. Raag Komal rishabh asawari is originated from thaat.
 राग कोमल ऋषभ आसावरी थाट से उत्पन्न माना जाता है।